Result Mitra Daily Magazine

ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान की शुरुआत

❖ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में 24 अक्टूबर को केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ग्राम पंचायत स्तर पर पांच दिवसीय मौसम पूर्वानुमान "पहल" की शुरुआत की।
- पंचायत स्तर पर पांच दिवसीय मौसम पूर्वानुमान की यह पहल देश भर में मौसम की स्थानीय पूर्वानुमान की दिशा में पहला बड़ा कदम है।

❖ क्या है "पहल" योजना ?

- "पहल" योजना ग्राम पंचायत स्तरीय मौसम पूर्वानुमान, पंचायती राज मंत्रालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक संयुक्त कार्यक्रम है।
- पंचायती राज मंत्रालय के अनुसार इस 'पहल' योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदायों की आपदा तैयारियों को बढ़ाने के साथ किसानों और ग्रामीणों को लाभ पहुंचाएगा।
- इस योजना से मौसम की सटीक जानकारी मिलने पर जमीनी स्तर पर टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा एवं ग्रामीण आबादी अधिक जलवायु लचीली और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होगी।

❖ पूर्वानुमान क्या होगा और कहां उपलब्ध होगा ?

- पंचायती राज मंत्रालय के अनुसार देश भर में प्रत्येक पंचायत स्तर पर मौसम का पूर्वानुमान प्रत्येक घंटे के अंतराल पर "ई-ग्राम स्वराज", "ग्राम मंच पोर्टल" और "मेरी पंचायत एप" पर उपलब्ध होगा।
- ग्राम पंचायत स्तर पर उपयोगकर्ता उपरोक्त दिए गए पोर्टल के माध्यम से वर्तमान तापमान, हवा की गति, बादल का आवरण (प्रतिशत में) वर्षा एवं सापेक्ष आर्द्रता का डेटा देख सकते हैं।
- इसके अलावा पोर्टल के माध्यम से उपयोगकर्ता पांच दिवसीय मौसम पूर्वानुमान के तहत न्यूनतम और अधिकतम तापमान, वर्षा, बादल आवरण, हवा की दिशा एवं गति जैसी समग्र मौसम जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

❖ पूर्वानुमान से जनता को क्या लाभ होगा ?

- मौसम के पंचायत स्तर पर सटीक पूर्वानुमान से किसानों को फसलों की बुआई, सिंचाई, कटाई जैसी कृषि गतिविधियों के लिए बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी।
- पंचायत राज मंत्रालय के अनुसार जिस प्रकार वर्तमान परिदृश्य में मौसम का मिजाज तेजी से अप्रत्याशित होता जा रहा है, ऐसे में ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान की शुरुआत कृषि आजीविका की सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ ग्रामीण तैयारियों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करेगी।
- देशभर में प्रत्येक ग्राम पंचायत में तापमान, वर्षा, हवा की गति और बादल कवर पर दैनिक एवं पांच दिवसीय मौसम के पूर्वानुमान का अपडेट प्राप्त होगा जो किसानों को कृषि कार्य में महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सशक्त बनाएगा।

❖ स्थानीयकृत पूर्वानुमान क्यों मायने रखता है ?

- आमतौर पर बड़े औद्योगिक क्षेत्र में फैली बड़ी प्रणालियों द्वारा मौसम की सटीक भविष्यवाणी करना आसान होता है, जिनमें भारतीय मानसून, बंगाल की खाड़ी में विकसित होने वाले चक्रवात और विभिन्न राज्यों में फैली गर्मी की लहर एवं शीत लहर शामिल है।
- हालांकि इन प्रणालियों द्वारा बादल फटने जैसी स्थानीय घटनाओं का पूर्वानुमान लगाना अधिक कठिन होता है।
- स्थानीयकृत मौसम पूर्वानुमान देश भर के लगभग 2.55 लाख ग्राम पंचायत के किसान समुदाय को अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी आर्थिक गतिविधियों को संचालित करने में मदद करेगा।
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग(IMD) में पंचायत राज्य मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए पंचायत सीमाओं के आंकड़े के आधार पर स्थानीय मौसम पूर्वानुमान की प्रणाली विकसित की है।

Result Mitra

❖ भारत की स्थानीय मौसम पूर्वानुमान क्षमताएं कितनी सटीक है ?

- अब तक भारत में स्थानीय मौसम पूर्वानुमान क्षमता जिला और ब्लॉक स्तर पर उपलब्ध थी।
- पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने अपने मौसम पूर्वानुमानों को अधिक सटीक बनाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।
- वर्तमान में IMD 12 km x 12 km क्षेत्र में मौसम की घटनाओं का पूर्वानुमान लगाने की क्षमता रखता है।
- इसके अलावा IMD 1 km x 1 km तथा 3 km x 3 km क्षेत्र के लिए हाइपर–स्थानीय पूर्वानुमान क्षमता बनाने के उद्देश्य से काम कर रहा है।

TM
Result Mitra